ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 27 दिसम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 236

उदयपुर संभाग में सर्दी का असर हुआ तेज, रातें ठंडी, दिन में हल्की धूप- माउंट आबू सबसे ठंडा, उदयपुर में भी छुटने लगी धूजणी

चेतावनी मानचित्र / Warning map

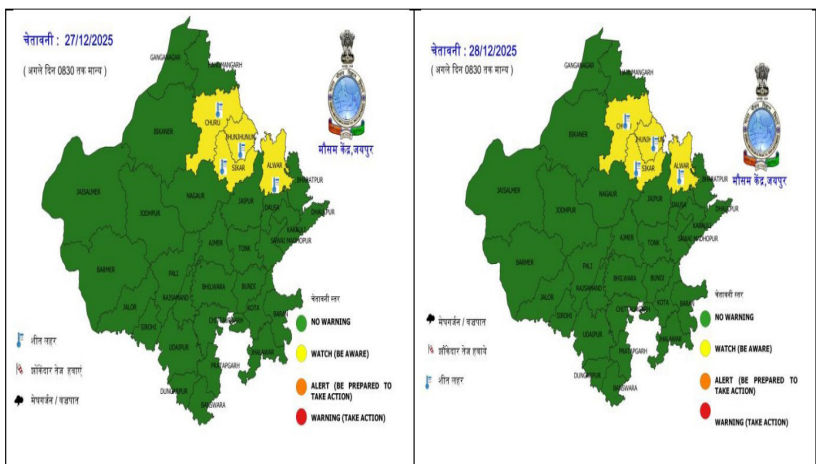

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर | उदयपुर संभाग में सर्दी ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार संभाग के सभी जिलों में मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन के समय धूप निकलने से हल्की गर्माहट महसूस हो रही है, लेकिन सुबह और रात के समय ठंड लोगों को सताने लगी है। उदयपुर जिले में तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे उदयपुर जिले के डबोक मौसम केंद्र पर शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीते 24 घंटों में जिले में किसी प्रकार की वर्षा दर्ज नहीं हुई। सापेक्षिक आर्द्रता सुबह के समय 90 प्रतिशत और शाम को 47 प्रतिशत रही, जिससे सुबह के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया गया।

माउंट आबू में कड़ाके की ठंड

उदयपुर संभाग के पर्वतीय क्षेत्र माउंट आबू में सबसे अधिक सर्दी दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान मात्र 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंडी हवाओं के कारण पर्यटक स्थलों पर ठिठुरन बनी रही।

चित्तौड़गढ़ में दिन गर्म, रात ठंडी

चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में भी मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और वर्षा शून्य दर्ज की गई।

डूंगरपुर में नमी ज्यादा, ठंड का असर

डूंगरपुर में अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रहा। यहां सापेक्षिक आर्द्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई, जिससे सुबह के समय कोहरा और ठंड का असर देखने को मिला। प्रतापगढ़ में अधिकतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में भी पिछले 24 घंटों में कोई वर्षा नहीं हुई। सिरोही में अधिकतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यहां भी मौसम शुष्क बना हुआ है।

अगले 24 घंटे का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के अनुसार उदयपुर संभाग में अगले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिन का तापमान लगभग 23 से 26 डिग्री सेल्सियस, रात का तापमान 4 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। फिलहाल वर्षा की कोई चेतावनी नहीं है, लेकिन न्यूनतम तापमान में हल्की और गिरावट संभव है।

मौसम विभाग की सलाह

मौसम विभाग ने संभाग के नागरिकों को सुबह-शाम ठंड से बचाव की सलाह दी है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने, गर्म कपड़े पहनने और ठंडी हवाओं से बचने की आवश्यकता बताई गई है।

24,000 की मंथली SIP से बनेंगे 6 करोड़:22 साल तक करना होगा निवेश; सालाना 10% बढ़ानी होगी SIP की रकम

24 न्यूज अपडेट

रिटायरमेंट के लिए सही प्लानिंग और निवेश में अनुशासन हो, तो करोड़ों का फंड बनाना मुश्किल नहीं है। अगर आपकी उम्र 34 साल है और आप अगले 22 सालों के लिए हर महीने 24,000 रुपए की SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) शुरू करते हैं, तो आप 6 करोड़ रुपए तक का कॉर्पस यानी फंड तैयार कर सकते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिर्फ निवेश करना काफी नहीं है, बल्कि हर साल निवेश की रकम को थोड़ा बढ़ाना और पोर्टफोलियो में इक्विटी के साथ गोल्ड को शामिल करना भी जरूरी है।

सालाना 10% स्टेप-अप से 6 करोड़ रुपए का फंड बन सकता है

ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के एमडी पंकज मठपाल के अनुसार, अगर आप 24,000 रुपए की मंथली SIP पर सालाना 12% रिटर्न मानकर चलते हैं, तो 22 साल में करीब 3 करोड़ रुपए जमा होंगे।

वहीं अगर आप इसमें हर साल 10% का 'स्टेप-अप' करते हैं (यानी हर साल SIP की रकम 10% बढ़ाते हैं), तो यही फंड बढ़कर लगभग 6 करोड़ रुपए हो जाएगा। समय के साथ इनकम बढ़ती है, इसलिए निवेश की रकम बढ़ाना महंगाई से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है।

इंडिगो संकट- जांच पैनल ने 22 दिन में रिपोर्ट सौंपी:सरकार ने गोपनीय रखी; दूसरी रिपोर्ट में दावा- क्रू की कमी नहीं, रोस्टर में गड़बड़ी थी

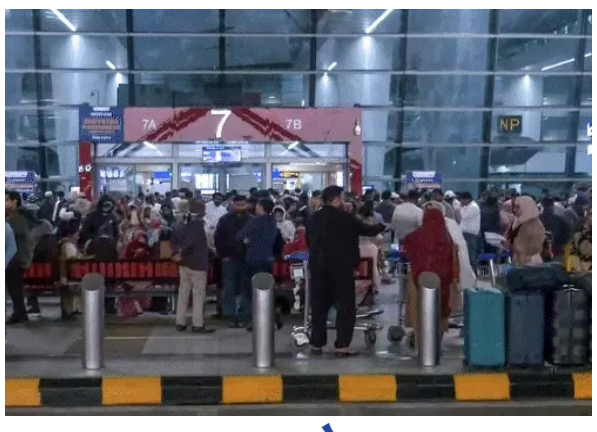

24 न्यूज अपडेट

इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर DGCA को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

उधर, अंग्रेजी न्यूज पेपर हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक DGCA के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था।

यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं।

इधर, इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे, जो इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे।

दरअसल, दिसंबर महीने की शुरुआत में इंडिगो की 10 दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गईं थीं, जिससे देश भर में हजारों यात्री फंस गए थे।

DGCA ने जांच पैनल के अलावा रिव्यू का भी आदेश था

सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने यह पता लगाने के लिए एक सिस्टमैटिक रिव्यू का भी आदेश दिया था कि क्या एयरलाइन की तैयारी बदले हुए नियमों को लेकर पर्याप्त थी। यह समीक्षा नवंबर के आखिर से दिसंबर के मध्य तक यात्रियों को 1,500 करोड़ से अधिक की रिफंड राशि लौटाने के बाद शुरू की गई थी।

इसमें खुलासा हुआ कि ऑपरेशन, ट्रेनिंग, छुट्टी और इमरजेंसी कंडीशन को कवर करने के लिए हर प्लेन में छह क्रू सेट रखे जाते हैं। इंडिगो ने इस पूरे संकट को लेकर अपना जवाब भी DGCA को दिया था, जिसमें कहा गया था कि पायलटों की संख्या तय सीमा से ज्यादा है, और असली दिक्कत पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग में है। रिव्यू में यह भी बताया गया कि एयरलाइन के क्रू का उपयोग रेगुलेशन के अनुसार हर माह 100 घंटे की तुलना में 55% था। DGCA के न्यूनतम स्टैंडर्ड के अनुसार इंडिगो की नवंबर फ्लीट में हर एयरक्राफ्ट के लिए केवल तीन क्रू सेट या 1842 पायलटों की जरूरत थी, जो एयरलाइन में रखे गए पायलटों की संख्या के आधे से भी कम है।

जलापूर्ति रहेगी बाधित

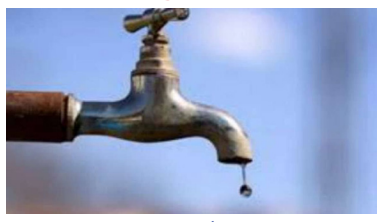

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 दिसंबर। जलदाय विभाग के नगर उप खंड सप्तम के प्रेम नगर, न्यू भूपालपुरा क्षेत्र एवं यूआईटी जलाशय से होने वाली जलापूर्ति एवं आयड़ क्षेत्र की डायरेक्ट जलापूर्ति रविवार को बाधित रहेगी। सहायक अभियंता यामिनी उपाध्याय ने बताया कि 132 केवीए झाडोल जीएसएस के इलेक्ट्रिक शटडाउन होने के कारण रविवार दिनांक 28 दिसंबर को इनसे जुड़े क्षेत्रों में होने वाली जलापूर्ति अब सोमवार को होगी।

पर्सनल लोन एप्स पर डेटा चोरी और हैरेसमेंट का खतरा:कॉन्टैक्ट-लोकेशन का एक्सेस मांगे तो सावधान हो जाएं

24 न्यूज अपडेट

ऑनलाइन पर्सनल लोन लेना आजकल बहुत आसान हो गया है। बस पैन, आधार और बैंक स्टेटमेंट अपलोड करो और कुछ ही मिनटों में पैसा खाते में आ जाता है। यह सुविधा जितनी आसान दिखती है, उतनी ही जोखिम भरी भी हो सकती है।

दरअसल, लोन के लिए अप्लाई करते समय आप केवल अपनी कमाई की जानकारी नहीं देते, बल्कि अपनी पहचान, खर्च करने की आदतें और कई बार अपने निजी कॉन्टैक्ट्स तक का एक्सेस भी अनजाने में एप्सको दे देते हैं।

ज्यादातर लोग यह नहीं देखते कि वे लोन के लिए अप्लाई कहां कर रहे हैं। किसी जाने-माने बैंक या रजिस्टर्ड NBFC (नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी) और किसी रैंडम लोन एप में जमीन-आसमान का फर्क होता है। बैंक RBI के नियमों से बंधे होते हैं और उनकी नियमित ऑडिटिंग होती है। वहीं, कई इंस्टेंट-लोन एप्सकेवल बिचौलिए होते हैं। इनका काम आपका डेटा इकट्ठा करना और उसे आगे बेचना होता है। ऐसे में आपका डेटा कई हाथों से होकर गुजरता है, जिससे प्राइवेसी का खतरा बढ़ जाता है।

2030 तक रेल क्षमता दोगुनी करने की तैयारी, जयपुर–जोधपुर बनेंगे नए टर्मिनल और मेगा मेंटेनेंस हब, यात्रियों को मिलेगा सीधा फायदा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/जयपुर। देश में लगातार बढ़ती रेल यात्री संख्या को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 2030 तक बड़ा रोडमैप तैयार किया है। योजना के तहत देश के 48 प्रमुख शहरों में ट्रेनों की शुरुआती यानी ओरिजिनेटिंग क्षमता को दोगुना किया जाएगा। इसका सीधा असर भीड़भाड़ कम करने, समयबद्ध परिचालन और नई ट्रेनों के संचालन पर पड़ेगा। रेलवे का फोकस सिर्फ दीर्घकालिक नहीं है, बल्कि अगले पाँच वर्षों में ही चरणबद्ध क्षमता वृद्धि कर यात्रियों को तुरंत राहत देने की रणनीति अपनाई गई है। इसके लिए अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक उपायों को एक साथ लागू किया जाएगा।

क्या-क्या बदलेगा रेलवे नेटवर्क में

रेलवे की इस महत्वाकांक्षी योजना में— मौजूदा टर्मिनलों पर नए प्लेटफॉर्म, पिट लाइन, स्टेबलिंग लाइन और शंटिंग सुविधाओं

का विस्तार शहरों के भीतर और आसपास नए टर्मिनल स्टेशनों का निर्माण मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स के जरिए अत्याधुनिक मेंटेनेंस सिग्नलिंग अपग्रेड, मल्टीट्रैकिंग और ट्रैफिक सुविधा कार्यों से सेक्शन कैपेसिटी बढ़ाना, जैसे बड़े कार्य शामिल हैं।

जयपुर के लिए बड़ा बदलाव

जयपुर में खातीपुरा स्टेशन को सैटेलाइट टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां 205 करोड़ रुपये की लागत से कोच केयर कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रगति पर है। इसके तहत नई लाइनें, वॉशिंग पिट, स्टेबलिंग लाइन और आधुनिक तकनीकी संसाधन विकसित किए जा रहे हैं।

खातीपुरा के विकसित होने से— जयपुर जंक्शन पर दबाव घटेगा, ट्रेनों की समयपालन क्षमता सुधरेगी, नए रूटों पर ट्रेनों के संचालन की राह खुलेगी, खास बात यह है कि यहां वंदे भारत, एलएचबी और डेमू जैसे सभी प्रकार के रेक्स का मेंटेनेंस एक ही स्थान पर किया जा सकेगा। इसके अलावा जयपुर के पास भट्टों की गली को मेगा कोचिंग टर्मिनल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। पहले चरण में करीब 800 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है, जिसमें वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों के लिए पिट लाइन, वॉशिंग लाइन और स्टेबलिंग सुविधाएं विकसित होंगी।

जोधपुर बनेगा वंदे भारत मेंटेनेंस हब

जोधपुर में भी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। भगत की कोठी स्टेशन पर 167 करोड़ रुपये की लागत से मेंटेनेंस कम वर्कशॉप डिपो का निर्माण किया जा रहा है, जहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की मेंटेनेंस सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही भगत की कोठी में करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से मेगा कोचिंग टर्मिनल प्रस्तावित है, जिसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। इससे क्षेत्र में अधिक ट्रेनों का अनुरक्षण संभव होगा और नई रेल सेवाओं का विस्तार किया जा सकेगा।

तीन चरणों में होगा क्रियान्वयन

रेलवे के अनुसार, यह पूरी योजना तीन चरणों में लागू होगी। लक्ष्य वर्ष 2030 रखा गया है, लेकिन अगले पाँच वर्षों में ही क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी सुनिश्चित की जाएगी ताकि यात्रियों को तत्काल लाभ मिल सके।

एक हफ्ते में चांदी 27,771 महंगी हुई:1 किलो का भाव 2.28 लाख पहुंचा, इस साल 165% चढ़ा दाम; हफ्तेभर में सोना 6,177 महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट

चांदी की कीमत में लगातार पांचवे हफ्ते तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 19 दिसंबर को एक किलो चांदी की कीमत 2,00,336 रुपए थी, जो एक हफ्ते में 27,771 रुपए बढ़कर 26 दिसंबर को 2,28,107 रुपए/KG पर पहुंच गई है। इस हफ्ते चांदी ने लगातार चार दिन ऑल टाइम हाई बनाया और हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को 9,124 रुपए चढ़कर बंद हुआ।

इधर, सोने में भी तेजी रही। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 19 दिसंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,31,779 रुपए का था। एक हफ्ते में 6,177 रुपए महंगा होकर शुक्रवार, 26 दिसंबर को 1,37,956 रुपए पर पहुंच गया। ये सोने का सबसे ऊंची कीमत है।

संपादकीय : सद्भाव का तकाजा

दुनिया भर में भारत को विविधताओं से भरी सांस्कृतिक छवियों वाले एक ऐसे देश के रूप में देखा जाना जाता है, जहां अलग- अलग धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते और एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आए हैं। मगर हाल के वर्षों में कुछ खास त्योहारों के ठीक पहले जिस तरह द्वेष का माहौल पैदा करने की कोशिश की जाने लगी है, वह न केवल देश में सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है, बल्कि मानवीय तकाजों के भी विरुद्ध है। क्रिसमस को ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसमें आमतौर पर देश में सभी धर्मों के लोग उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। विडंबना यह है कि अब कुछ असामाजिक तत्त्व क्रिसमस के मौके पर देश के ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाने लगे हैं और इसका सीधा नुकसान देश की छवि को हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फिर क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई। सवाल है कि वे कौन लोग हैं, जो सद्भाव के माहौल में नफरत घोलना चाहते हैं और उन्हें देश के अल्पसंख्यक या अन्य समुदायों के पर्व-त्योहार से परेशानी होने लगी है। क्या मानवीयता के मूल्यों को अपनी आस्था का सबसे अहम पक्ष मानने वाला कोई भी व्यक्ति किसी अन्य समुदाय के त्योहार से इस कदर दुश्मनी रख सकता है ? सद्भाव या सौहार्द के साथ किसी धार्मिक उत्सव को मनाए जाने से किसे दिक्कत हो सकती है ? केवल निराधार आरोपों का हवाला देकर किसी ऐसे त्योहार पर अराजकता फैलाने का क्या मकसद हो सकता है, जिसमें देश के सभी धर्मों के लोग या तो सहज रहते हैं या फिर उसमें शामिल होते हैं? कथित धर्म परिवर्तन के आरोप अगर लगाए भी जाते हैं, तो इस मसले पर सरकार और प्रशासन अपना काम करेंगे या कुछ अराजक और असामाजिक तत्त्वों को अपनी ओर से हिंसा करने की छूट मिल जाती है ? किसी समुदाय के भीतर डर पैदा करके किस तरह से धर्म की सेवा की जा सकती है ? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी बहाने से अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ हिंसा करना या तोड़फोड़ मचाना वास्तव में अपने ही देश की सांस्कृतिक छवि को नकारात्मक बनाना है। अगर इस तरह की प्रवृत्तियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो इससे आपसी सद्भाव का माहौल बिगड़ने की आशंका पैदा होगी। इतना तय है कि देश के संविधान का सम्मान करने वाली सरकारें और ज्यादातर संवेदनशील लोग धर्म के नाम पर टकराव तथा तनाव पैदा करने की कोशिशों का समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि कई जगहों पर क्रिसमस पर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया । यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसी भी पर्व-त्योहार के मौके पर सांप्रदायिकता फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो । विचित्र यह भी है कि क्रिसमस के मौके पर एक ओर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के साथ मेलजोल, शांति और सद्भाव का संदेश दे रहे थे तो दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्त्व तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने में लगे थे। देश में सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों के अवसर पर सौहार्द तथा सद्भाव की जो परंपरा रही है, उसे बचाने और मजबूत करने के लिए सरकार और समाज को एक बार फिर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

पढ़ने को प्रोत्साहन

पढ़ने की संस्कृति व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाती है। इससे हमारे जेहन में शब्दों के संग्रहण का विस्तार होता है, आलोचनात्मक सोच विकसित होती है और रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलता है, जो हमें समाज में एक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण नागरिक बनता है। मगर आज के डिजिटल तकनीक के दौर में खासकर बच्चे और युवाओं की अंगुलियां पुस्तक के पन्नों को पलटने के बजाय मोबाइल फोन और लैपटाप पर ही चलने लगी हैं। यह वास्तव में चिंता का विषय है। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत राज्य के स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी के प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध कराने तथा सुबह की प्रार्थना सभा में कम से कम दस मिनट का समय विद्यार्थियों द्वारा इन्हें पढ़ने के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष जून में सरकारी में स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों के समाचार पत्र पाठ की व्यवस्था लागू की गई थी। इस पहल को अब उत्तर प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाया है। इसके तहत विद्यार्थी प्रतिदिन राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और खेल समाचारों के साथ- साथ प्रमुख संपादकीय भी पढ़ेंगे। साथ ही विद्यार्थी अखबारों से पांच कठिन शब्द चुनकर उन्हें सूचना पट्ट पर प्रमुखता से प्रदर्शित करेंगे। यह व्यवस्था कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इससे न केवल विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, शब्दावली, रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित होगा, बल्कि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयारी करने में भी मदद मिलेगी। पढ़ने की संस्कृति अगर फिर से बच्चों की आदत में शुमार हो जाए, तो मोबाइल या लैपटाप की स्क्रीन पर जरूरत से ज्यादा समय बिताने की उनकी प्रवृत्ति भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। मगर, यह पहल तभी सार्थक होगी, जब इसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सही मायने में धरातल पर उतारा जाएगा और इसकी निरंतरता को बनाए रखा जाएगा। इसके साथ-साथ सरकारी पुस्तकालयों में भी विद्यार्थियों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दूध तलाई में उमड़ा सैलानियों का सैलाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लेकसिटी उदयपुर में पर्यटन अपने चरम पर पहुंच चुका है। शहर में टूरिस्ट बूम का असर अब सड़कों से लेकर झीलों तक साफ दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को झील पिछोला में एक ही दिन में ढाई से तीन हजार पर्यटकों ने बोटिंग का आनंद लिया, जबकि दूध तलाई पर भी दिनभर सैलानियों की भारी आवाजाही बनी रही। पर्यटन सीजन के चलते उदयपुर की पहचान एक बार फिर देश के सबसे पसंदीदा टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में मजबूत होती नजर आ रही है। सुबह से देर रात तक दूध तलाई, पिछोला, फतेहसागर और सज्जनगढ़ जैसे इलाकों में सैलानियों की भीड़ लगी हुई है। झीलों में चलती नावें और व्यू पॉइंट्स पर उमड़े पर्यटक इस बात के गवाही दे रहे हैं कि शहर इस वक्त पूरी तरह टूरिस्ट मूड में है। टूरिस्ट बूम का असर वॉल्ड सिटी में भी साफ दिख रहा है। सूरजपोल, हाथीपोल, घंटाघर और आसपास के इलाकों में लगातार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। पर्यटन स्थलों ही नहीं होटल और रेस्टोरेंट तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को भीड़ और जाम से जूझना पड़ रहा है। पर्यटन कारोबारियों के मुताबिक, यह भीड़ अभी और बढ़ने वाली है। क्रिसमस के बाद और न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों की बुकिंग पहले ही हो चुकी है। हालात यह हैं कि शहर की अधिकांश होटलें, रिसॉर्ट और वेडिंग वेन्यू पूरी तरह फुल हो चुके हैं और कई जगह वेटिंग चल रही है। इस टूरिस्ट बूम से होटल इंडस्ट्री, टैक्सी ऑपरेटर्स, बोटिंग संचालक, गाइड, रेस्टोरेंट और लोकल बाजारों को बड़ा फायदा मिल रहा है। कुल मिलाकर, साल के आखिरी दिनों में उदयपुर सैलानियों से पूरी तरह गुलजार रहने वाला है और यह सीजन नए रिकॉर्ड बना सकता है।

खेत में खेल बना जानलेवा, चार मासूमों ने निगले जहरीले बीज, बांसवाड़ा के दानपुर क्षेत्र में रतनजोत ने मचाई अफरा-तफरी, एमजी अस्पताल रेफर

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। दानपुर थाना क्षेत्र के भाटिया महुड़ा गांव में शुक्रवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ही परिवार के चार मासूम बच्चों की हालत अचानक बिगड़ गई। खेत में खेलते समय बच्चों ने अनजाने में जहरीले रतनजोत के बीज खा लिए, जिसके कुछ ही देर बाद उन्हें तेज उल्टियां शुरू हो गईं और वे बेहोशी की हालत में जमीन पर गिर पड़े। परिजन बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर घबरा गए। पूछताछ करने पर बच्चों ने बताया कि उन्होंने खेत में लगे पौधों के बीज फल समझकर खा लिए थे। हालात गंभीर होते देख परिजन बिना देरी किए सभी बच्चों को निजी वाहन से छोटी सरवन स्थित स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में मौजूद चिकित्सा कर्मियों ने तुरंत उपचार शुरू किया। प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने एहतियातन चारों बच्चों को महात्मा गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति स्थिर है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें रातभर निगरानी में रखा गया है। बीज खाने वाले बच्चों में दिलीप (7), शिवराज (8), रीना (6) और पूजा (7) शामिल हैं। समय रहते उपचार मिलने से एक बड़ा हादसा टल गया।

रतनजोत बना खतरे की वजह

ग्रामीण इलाकों में रतनजोत के पौधों का उपयोग अक्सर खेतों की बाड़ के रूप में किया जाता है। हालांकि इसके बीज अत्यंत जहरीले होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों या पशुओं द्वारा इन बीजों का सेवन गंभीर जानलेवा स्थिति पैदा कर सकता है। इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की जरूरत को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

निर्माणाधीन मकान में चौकीदार की हैवानियत, नाबालिग से दुष्कर्म, जांच में तीन माह की गर्भवती निकली

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जिले के राजतालाब थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला अपराध सामने आया है, जहां एक निर्माणाधीन मकान की निगरानी में लगे चौकीदार ने आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने वारदात के बाद बच्ची को जान से मारने और समाज में बदनाम करने की धमकी देकर खामोश रहने पर मजबूर कर दिया। पुलिस के अनुसार यह घटना सितंबर माह की है। पीड़िता का छोटा भाई खेलते-खेलते पास के निर्माणाधीन मकान में चला गया था। भाई को वापस लाने के लिए जब बच्ची वहां पहुंची, तो मौके पर मौजूद चौकीदार ने उसे अकेला देखकर रोक लिया और जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी ने बच्ची को धमकाया कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो उसकी जान ले लेगा और पूरे समाज में बदनामी कर देगा। डर और लोक-लाज के चलते मासूम बच्ची करीब तीन महीने तक अपने साथ हुई दरिंदगी को दिल में दबाए रही। हालांकि 24 दिसंबर को जब आरोपी ने एक बार फिर उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया, तो बच्ची हिम्मत जुटाकर घर पहुंची और अपने माता-पिता को पूरी आपबीती बता दी। परिजनों ने तत्काल राजतालाब थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा। मेडिकल रिपोर्ट सामने आने पर परिजन और पुलिस दोनों स्तब्ध रह गए, क्योंकि नाबालिग बच्ची करीब तीन महीने की गर्भवती पाई गई। राजतालाब थानाधिकारी देवीलाल मीणा ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर गंभीरता को देखते हुए आरोपी चौकीदार को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

नेशनल स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप में सेंट एंथनीज़ स्कूल की प्रियांशी जैन का चयन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सेंट एंथनीज़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा प्रियांशी जैन ने क्रिकेट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। प्रियांशी जैन का चयन नेशनल स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम में हुआ है, जहां वह राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस उपलब्धि पर सेंट एंथोनीज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य विलियम डिसूजा ने उन्हें बधाई देते हुए इसे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 1 से 6 जनवरी तक शिवपुरी (मध्यप्रदेश) में मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। देशभर से चयनित प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रियांशी जैन का चयन जोधपुर में आयोजित राज्य स्तरीय चयन ट्रायल के दौरान किया गया, जिसमें प्रदेशभर से कई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले और उच्च प्रतिस्पर्धा के बीच प्रियांशी ने अपने शानदार बल्लेबाजी कौशल, अनुशासन और खेल भावना से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया, जिसके आधार पर उन्हें राजस्थान टीम में स्थान मिला। टीम के कोच तारीक खान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रियांशी ने चयन ट्रायल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है और यह चयन उसकी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रियांशी राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी। इस उपलब्धि पर सेंट एंथनीज़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने प्रियांशी जैन को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं अभिभावकों ने भी प्रियांशी की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने आशा जताई कि प्रियांशी जैन शिवपुरी में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय, जिला एवं राजस्थान राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी।

उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 27 दिसंबर। सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) चित्तौड़गढ़ के निर्देश पर कृषि अधिकारी गोपाल लाल शर्मा द्वारा जिले में उर्वरक विक्रेताओं के परिसरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मैसर्स श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र, चित्तौड़ रोड बड़ीसादड़ी एवं मैसर्स जोशी फर्टिलाइजर्स, सांगरिया के विक्रय परिसरों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं होना, स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण होना, गोदाम में उपलब्ध स्टॉक का पीओएस मशीन एवं बिलों से मेल नहीं खाना तथा बिलों में आदानों का पूर्ण विवरण अंकित नहीं होना पाया गया।

उक्त अनियमितताओं के चलते दोनों फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके पश्चात कृषि अधिकारी गोपाल लाल शर्मा की अनुशंसा पर दोनों फर्मों के उर्वरक विक्रय लाइसेंस निलंबित कर दिए गए।

कालिया घाटी में अवैध जीप खाई में गिरी, कई यात्री घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के झाड़ोल क्षेत्र से एक गंभीर हादसे की खबर सामने आई है। झाड़ोल की कालिया घाटी में सवारियों से भरी एक अवैध जीप अचानक अनियंत्रित होकर करीब 150 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त जीप में महिला-पुरुष सहित लगभग आधा दर्जन यात्री सवार थे, जो इस दुर्घटना में घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और सभी घायलों को निजी वाहनों से झाड़ोल उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन घायलों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। गनीमत यह रही कि जीप खाई में पलटी नहीं खाई, अन्यथा यह हादसा जानलेवा साबित हो सकता था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि झाड़ोल क्षेत्र में रोजाना 100 से अधिक अवैध और ओवरलोड जीपें यात्रियों को ढो रही हैं। प्रशासनिक निगरानी और सख्त कार्रवाई के अभाव में ऐसे वाहन लगातार हादसों को दावत दे रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मूकदर्शक बने हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध परिवहन पर तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर लगाम लगाई जा सके और आम लोगों की जान सुरक्षित रह सके।

रेती स्टैंड के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पजिरनों की तलाश में जुटी हिरणमगरी पुलिस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में रेती स्टैंड की ओर सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। थाना सर्कल से सूचना मिलने पर हॉक-4 टीम जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची, जहां एक अज्ञात पुरुष मृत अवस्था में पाया गया। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से मृतक की पहचान और उसके वारिसों की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद 108 एम्बुलेंस की सहायता से शव को जनरल हॉस्पिटल उदयपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। अज्ञात शव को पहचान के लिए जनरल हॉस्पिटल उदयपुर की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। हिरणमगरी थाना पुलिस ने कंट्रोल रूम को सूचना प्रेषित कर सभी थानाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में अज्ञात मृतक के वारिसानों की तलाश के लिए संदेश प्रसारित करने का आग्रह किया है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति मृतक को पहचानता हो या उससे संबंधित कोई जानकारी रखता हो, तो तत्काल हिरणमगरी थाने को सूचित करें। मृतक का हुलिया—उम्र लगभग 45–50 वर्ष, कद करीब 5.5 फीट, रंग गेहुआ, सफेद दाढ़ी, सिर पर सफेद बाल। मृतक ने सफेद टी-शर्ट, सफेद पैंट एवं नीले रंग का अंडरवियर पहन रखा है।

धरोहर कार्यक्रम की केवल ऑनलाइन बुकिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बागोर की हवेली में प्रतिदिन संचालित धरोहर कार्यक्रम के अब ऑनलाइन टिकट ही मिलेंगे। धरोहर के संचालकों ने बताया कि ऑफलाइन टिकट की बिक्री 7 जनवरी 2026 तक बंद रहेगी। इस दिन तक कार्यक्रम को देखने के इच्छुक कलाप्रेमियों को आवश्यक रूप से ऑनलाइन टिकट बुकिंग करनी होगी। आगामी 7 जनवरी 2026 के बाद अग्रिम सूचना दी जाएगी। ऑनलाइन बुकिंग धरोहरफॉकडांस डॉट ओआरजी पर जाकर करा सकते है।

मोहम्मद रफी की सूक्ष्म पुस्तिका

24 न्यूज अपडेट

जाने माने वरिष्ठ गीत संगीत कलाकार मोहम्मद रफी की 101 वीं जन्म तिथि की पुर्व संध्या पर सुरों की मंडली के संस्था अध्यक्ष श्री मुकेश माधवानी ने उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म कृति कलाकार डॉक्टर चंद्रप्रकाश चितौड़ा द्वारा निर्मित रफी साहब की जीवनी पर आधारित एक इंच की सचित्र सूक्ष्म पुस्तिका का विमोचन किया। मिडिया प्रभारी लक्ष्मी असवानी ने बताया की कल 24 दिसंबर को मोहमद रफ़ी के गानों का प्रोग्राम रखा है जिसमे सुरों की मंडली के सुर साधक सुरमयी गाने गाकर रफ़ी साहब का जन्मदिन मनाएंगे सूक्ष्म पुस्तिका विमोचन मे मुकेश माधवानी, रमेश दत्तवानी, जय किशन असवानी, कर्तव्य शुक्ला, कैलाश माहेश्वरी, चेतना जैन, परिधि मेहता, सुमन सोलंकी साथ में थे ।

उदयपुर को सीधी रेल रफ्तार देने की तैयारी, पहाड़ काटकर बनेगा नया ब्रॉडगेज मार्ग, नाथद्वारा–मारवाड़ जंक्शन रेल प्रोजेक्ट फिर जीवित, पर्यटन-व्यापार को मिलेगा बड़ा लाभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेवाड़ और मारवाड़ के बीच रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा देने की कवायद एक बार फिर तेज हो गई है। उदयपुर को जोधपुर से सीधे और कम दूरी में जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित रेल मार्ग पर रेलवे ने नए सिरे से काम शुरू कर दिया है। मारवाड़ जंक्शन से नाथद्वारा के बीच पुराने मीटर गेज रूट को ब्रॉडगेज में बदलने के लिए सर्वे प्रारंभ किया गया है, जिससे उदयपुर-जोधपुर की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह वही प्रोजेक्ट है, जिसे पहाड़ी भूभाग और वन विभाग की आपत्तियों के चलते पहले ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के हस्तक्षेप के बाद इस महत्वाकांक्षी योजना को फिर से हरी झंडी मिली है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस मार्ग के बनते ही उदयपुर न केवल जोधपुर बल्कि पश्चिमी राजस्थान के बड़े हिस्से से तेज और सीधी रेल सेवा से जुड़ जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने हाल ही में रेलवे के दीर्घकालीन रोडमैप 'विजन 2030' को साझा करते हुए संकेत दिए कि यह प्रोजेक्ट उदयपुर के पर्यटन, व्यापार और आवागमन के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। पहाड़ी क्षेत्र में नए अलाइनमेंट के जरिए छोटा और सीधा रास्ता तैयार करने पर फोकस किया जा रहा है, जिससे समय और दूरी दोनों की बचत होगी। रेलवे सूत्रों के अनुसार नाथद्वारा, जो पहले ही धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र है, इस रेल प्रोजेक्ट के जरिए उदयपुर से और मजबूती से जुड़ेगा। इससे न केवल श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान होगी, बल्कि उदयपुर-नाथद्वारा-मारवाड़ रूट पर नए यात्री और मालगाड़ी विकल्प भी खुलेंगे। रेलवे का मानना है कि नई ब्रॉडगेज लाइन बनने से उदयपुर क्षेत्र के संगमरमर, खनिज, हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को सीधा फायदा मिलेगा। साथ ही, जोधपुर और पश्चिमी राजस्थान से उदयपुर आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। हालांकि अभी यह प्रोजेक्ट सर्वे और तकनीकी अध्ययन के चरण में है, लेकिन रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस बार इसे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। यदि सभी औपचारिकताएं तय समय में पूरी होती हैं, तो आने वाले वर्षों में उदयपुर को एक नई और तेज रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है, जो मेवाड़ को देश के बड़े रेल नेटवर्क से और मजबूती से जोड़ेगी।

पेट से निकाले 2 लोहे के पाने, 7 टूथब्रश

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर उस समय हैरान रह गए, जब पेट दर्द की शिकायत लेकर आए युवक के पेट से ऑपरेशन के दौरान लोहे के पाने और टूथब्रश निकाले गए। मामला सामने आते ही अस्पताल परिसर में भी चर्चा का विषय बन गया। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा निवासी 26 वर्षीय युवक तेज पेट दर्द से पीड़ित था। परिजन उसे उपचार के लिए जयपुर लेकर पहुंचे, जहां प्रारंभिक जांच के बाद उसकी सोनोग्राफी करवाई गई। जांच रिपोर्ट में पेट के भीतर असामान्य और ठोस वस्तुएं दिखाई देने पर चिकित्सकीय टीम चौंक गई। सीनियर गैस्ट्रो सर्जन डॉ. तन्मय पारीक ने बताया कि पेट में मौजूद वस्तुओं की संख्या और आकार को देखते हुए एंडोस्कोपी से उन्हें निकालना संभव नहीं था। मरीज की स्थिति को गंभीर मानते हुए ओपन सर्जरी का निर्णय लिया गया। करीब दो घंटे से अधिक समय तक चली सर्जरी में डॉक्टरों ने युवक के पेट से दो लोहे के पाने और सात टूथब्रश बाहर निकाले। इस जटिल ऑपरेशन में एनेस्थेटिस्ट डॉ. आलोक वर्मा सहित अन्य मेडिकल स्टाफ का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सर्जरी के बाद मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों के अनुसार प्रारंभिक बातचीत में सामने आया कि युवक मानसिक रूप से परेशान रहता है। इसी मानसिक स्थिति के चलते उसने लगभग 20 दिन पहले खाने योग्य न होने वाली ये वस्तुएं निगल ली थीं। शुरुआत में दर्द कम था, लेकिन धीरे-धीरे तकलीफ बढ़ने लगी। भीलवाड़ा में कई जगह इलाज कराने के बावजूद राहत नहीं मिलने पर युवक को जयपुर रेफर किया गया, जहां समय रहते ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई जा सकी।

फार्म भरने से पहले ई-मित्र संचालक चेक करेगा शैक्षणिक योग्यता: RPSC करेगा कार्रवाई; सूचना एवं प्रौद्योगिकी संचार विभाग व कलेक्टर्स को लिखा पत्र

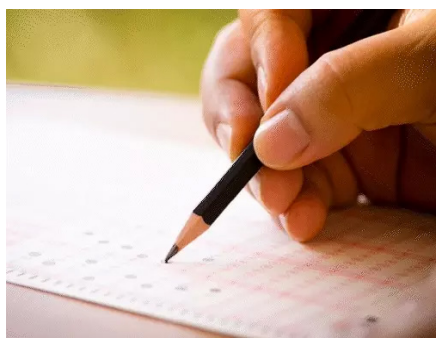

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पाया है कि कई ई-मित्र संचालक बिना शैक्षणिक योग्यता जांचे ही अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन भर रहे हैं, जिसके कारण विभिन्न भर्तियों के तहत बड़ी संख्या में अपात्र अभ्यर्थियों के आवेदन आयोग को प्राप्त हो रहे हैं।

इस संबंध में आयोग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी और संचार विभाग को ई मित्र संचालकों को निर्देशित करने के संबंध में पत्र प्रेषित किया जा चुका है। साथ ही आयोग द्वारा राज्य के सभी जिला कलेक्टरों से भी आग्रह किया गया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें।

करोड़ों की बरबादी, इसलिए लिया निर्णय

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया- जब भी किसी भर्ती का विज्ञापन निकलता है, तो ई-मित्र संचालक अभ्यर्थी की मूल शैक्षणिक योग्यता की जांच नहीं करते। वे केवल मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के जरिए आवेदन पत्र भर देते हैं। इस लापरवाही के कारण कई भर्तियों में लाखों की संख्या में ऐसे अभ्यर्थी आवेदन कर देते हैं जो उस पद के लिए वांछित शैक्षणिक योग्यता तक नहीं रखते हैं। इससे परीक्षाओं के आयोजन में अनावश्यक श्रम, समय और सरकारी धन के करोड़ों रुपए बर्बादी होती है।

कोटा में मौत के मुहाने से निकले तीन मासूम, स्लरी के दलदल में एक घंटे तक फंसी रही जिंदगियां

24 न्यूज अपडेट

कोटा। औद्योगिक विकास की लापरवाही शनिवार को कोटा में तीन मासूम बच्चों की जान पर भारी पड़ते-पड़ते रह गई। रामगंजमंडी क्षेत्र के अमरपुरा स्थित औद्योगिक इलाके में कोटा स्टोन फैक्ट्रियों से निकलने वाली स्लरी से बने दलदल में तीन बच्चे खेलते-खेलते फंस गए। करीब एक घंटे तक बच्चे जान बचाने के लिए चीखते रहे, लेकिन आसपास चल रही फैक्ट्रियों की तेज आवाजों में उनकी चीखें दबती रहीं।

घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे की है।

कुम्भकोट और अमरपुरा के बीच स्थित औद्योगिक क्षेत्र में निजी जमीन पर खुले तौर पर स्लरी डंप की जा रही है। यहीं मजदूर कैलाश के दो बच्चे और एक अन्य बच्चा खेल रहे थे। खेलते-खेलते तीनों बच्चे स्लरी के दलदल में उतर गए। दलदल की गहराई करीब 3 से 4 फीट थी। दो बच्चे कमर तक धंस गए, जबकि सबसे छोटा बच्चा गले तक दलदल में फंस गया। धीरे-धीरे दलदल में धंसते बच्चों की हालत बिगड़ने लगी और वे मदद के लिए चीखते रहे। काफी देर बाद जब फैक्ट्रियों की मशीनें बंद हुईं तो बच्चों की आवाज लोगों तक पहुंची। आसपास के ग्रामीण और मजदूर दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। हालात की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आसपास पड़े पत्थरों को दलदल में डालकर अस्थायी रास्ता बनाया गया, ताकि बच्चों तक पहुंचा जा सके। शुरुआती प्रयासों में बच्चे बाहर नहीं निकल सके, जिसके बाद साड़ी और रस्सियों का सहारा लिया गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अमरपुरा की 11 नंबर गली में स्थित यह स्लरी का दलदल एक निजी भूमि पर बना हुआ है, जहां न तो बाउंड्री वॉल है और न ही कोई चेतावनी या सुरक्षा व्यवस्था। लंबे समय से यहां कोटा स्टोन फैक्ट्रियों की स्लरी डाली जा रही है। इससे पहले भी इस स्थान पर हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन और जिम्मेदार विभागों ने कभी गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले पड़े स्लरी के इन जानलेवा दलदलों को तत्काल बंद कराया जाए और लापरवाही बरतने वाले फैक्ट्री संचालकों व जमीन मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में यह लापरवाही किसी मासूम की जान भी ले सकती है।

पंचायतीराज और निकाय चुनावों में पहचान अनिवार्य, पर्दा-बुर्का पहनने वाली महिलाओं को भी दिखाना होगा चेहरा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/उदयपुर। प्रदेश में प्रस्तावित आगामी पंचायतीराज और स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने साफ किया है कि पर्दा, बुर्का या घूंघट पहनकर आने वाली महिला मतदाताओं को भी पहचान सत्यापन के बाद ही मतदान की अनुमति दी जाएगी। बिना पहचान के किसी को भी वोट डालने नहीं दिया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्र पर प्रत्येक मतदाता की पहचान नाम और फोटो के मिलान के आधार पर की जाएगी। महिला मतदाताओं के मामले में, यदि वे सामाजिक या पारंपरिक कारणों से चेहरा ढककर आती हैं, तो उनकी पहचान महिला कर्मचारियों की सहायता से सुनिश्चित की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया आदेश नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही निर्वाचन प्रक्रिया का ही हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज, स्थानीय निकाय, विधानसभा और लोकसभा—सभी चुनावों में मतदाता पहचान की प्रक्रिया एक समान रहती है। वोटर आईडी या किसी मान्यता प्राप्त पहचान पत्र के आधार पर ही मतदान कराया जाता है।

विवाद से बचने के लिए विशेष व्यवस्था निर्वाचन आयोग के अनुसार कई मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियों में केवल पुरुष कर्मचारी तैनात होते हैं। ऐसे में जब पर्दा या घूंघट पहनी महिलाएं मतदान के लिए आती हैं और चेहरा दिखाने पर आपत्ति जताती हैं, तो विवाद की स्थिति बन जाती है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने महिला कर्मचारियों के सहयोग का प्रावधान किया है, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू और सम्मानजनक तरीके से पूरी हो सके। स्थानीय महिला कर्मचारियों की ली जाएगी मदद निर्देशों के तहत पंचायतीराज और निकाय चुनावों की पोलिंग पार्टियों में महिला कर्मचारियों की नियमित ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। हालांकि, पहचान सत्यापन के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यरत महिला कर्मचारियों—जैसे ग्राम सेविका, पटवारी, महिला शिक्षक या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता—की सहायता ली जा सकेगी। ये महिलाएं पर्दा या बुर्का पहनकर आने वाली मतदाताओं की पहचान कर प्रमाणित करेंगी।

उदयपुर में 72वीं राज्य सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर, मेज़बान टीमों का शानदार प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित 72वीं राजस्थान राज्य सीनियर पुरुष एवं महिला कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुकाबले और भी रोमांचक हो गए। तेज रफ्तार खेल, सटीक रेड और मजबूत डिफेंस के चलते दर्शकों को एक के बाद एक जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। मेज़बान उदयपुर की पुरुष और महिला टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाए रखा। महिला वर्ग में उदयपुर टीम ने सवाईमाधोपुर को 26 अंकों के बड़े अंतर से पराजित कर अपनी मजबूती साबित की। वहीं पुरुष वर्ग में उदयपुर की टीम ने दिन के दोनों मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज की। पहले मैच में उदयपुर ने बारां को 25 अंकों से हराया, इसके बाद सिरोही के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उदयपुर ने 30 अंकों की बड़ी जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली। दूसरे दिन के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में देवीलाल सालवी, दिनेश शर्मा, महेंद्र शर्मा, राजमल चित्तौड़ा, अशोक आमेटा, विष्णु प्रजापत, तख्तसिंह शक्तावत, शंभूलाल गमेती, जितेन्द्र नागदा, कमल कुमावत, खुशबू मालवीय, सीमा चम्पावत, के.एल. साहू, यशवंत मंडोवरा, चेतन जैन, विजय विप्लव, अशोक गरबड़ा एवं अनिल शर्मा उपस्थित रहे।

आयोजन स्थल पर शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों की भी गरिमामयी मौजूदगी रही। आयोजन समिति के चेयरमैन प्रमोद सामर एवं जालमचंद जैन ने सभी अतिथियों का पारंपरिक मेवाड़ी पाग और उपरणा पहनाकर स्वागत किया। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के सचिव मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि दूसरे राउंड के पुरुष वर्ग के मुकाबलों में जयपुर ने बीकानेर को 20 अंकों से, राजस्थान पुलिस ने दौसा को 22 अंकों से, नागौर ने कड़े मुकाबले में हनुमानगढ़ को 1 अंक से हराया। अलवर ने भरतपुर को 22 अंकों से तथा अजमेर ने टोंक को 19 अंकों से मात दी। वहीं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की टीम ने चित्तौड़गढ़ को 26 अंकों से, सीकर ने चूरू को 5 अंकों से, राजस्थान पुलिस ने राजसमंद को 19 अंकों से, जयपुर ने नागौर को 21 अंकों से और जोधपुर ने गंगानगर को 18 अंकों से हराया। महिला वर्ग के मुकाबलों में सिरोही ने बारां को 15 अंकों से, सीकर ने हनुमानगढ़ को 15 अंकों से, बाड़मेर ने श्रीगंगानगर को 30 अंकों से, जयपुर ने चूरू को 20 अंकों से, राजस्थान पुलिस ने टोंक को 25 अंकों से, नागौर ने उदयपुर को 36 अंकों से, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने झुंझुनू को 21 अंकों से तथा भीलवाड़ा ने पाली को 7 अंकों से पराजित किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन बुधवार को सुबह 8 बजे से क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि शाम को सेमीफाइनल मुकाबलों के साथ रोमांच अपने शिखर पर पहुंचेगा।

डांगी खेलकूद प्रतियोगिता में खेल और समाज का भव्य संगम, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों ने बढ़ाया उत्साह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डांगी खेलकूद प्रतियोगिता के तहत उदयपुर में खेल प्रतिभा और सामाजिक एकता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर भारतीय कबड्डी के प्रसिद्ध खिलाड़ी श्रीमान राकेश नरवाल एवं श्रीमान संदीप नरवाल बतौर मुख्य अतिथि रॉयल खेड़ा स्टेडियम पहुंचे, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों ने उनका उत्साहपूर्ण स्वागत किया। मुख्य अतिथियों के आगमन से प्रतियोगिता का माहौल और अधिक प्रेरणादायी हो गया। दोनों राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने युवाओं से खेल को अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास के साथ अपनाने का आह्वान किया तथा कहा कि ग्रामीण और समाज आधारित खेल प्रतियोगिताएं ही देश को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देती हैं। मुख्य अतिथियों ने कानपुर ग्यारिया स्थित श्याम मंदिर में दर्शन कर समाज की खुशहाली की कामना की। बाद में जी.एस. क्लब एकेडमी का विधिवत उद्घाटन किया गया, जिसे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं के प्रशिक्षण और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गरिमामय आयोजन में डांगी समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से खेल संघ अध्यक्ष रामलाल जी (पुला), सचिव रमेश जी (भुवाना), धर्मराज जी (सपेटिया), अनिल जी (भुवाना), केशु लाल जी (डांगियों का गुड़ा), लोकेश जी (भुवाना), किशन जी (कानपुर), दिनेश जी (लोयरा), जगदीश जी (लोयरा), शंभू जी (मानपुरा) सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा खिलाड़ी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। अतिथियों का पारंपरिक सम्मान किया गया तथा आयोजन समिति ने सभी सहयोगियों और समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

अरावली और मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस का जन-जागरण, उदयपुर में सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और मनरेगा को कमजोर किए जाने के विरोध में शुक्रवार को उदयपुर शहर व देहात कांग्रेस की ओर से संयुक्त जन-जागरण रैली आयोजित की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 27 से 31 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली नगर निगम टाउन हॉल स्थित शहीद स्मारक से सुबह 11.30 बजे प्रारंभ होकर सूरजपोल, अश्विनी बाजार से गुजरते हुए चेतक स्थित मोहता पार्क पहुंची, जहां सभा का आयोजन हुआ। इस दौरान अरावली पर्वतमाला को बचाने और मनरेगा के अस्तित्व की रक्षा के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की गई। सभा को संबोधित करते हुए उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ों की श्रृंखला नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन, जल और पर्यावरण की रक्षा करने वाला प्राकृतिक कवच है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में अरावली पर अवैध खनन और माफिया गतिविधियां सरकारी संरक्षण में फल-फूल रही हैं, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मीणा ने कहा कि अरावली पर हो रहा हमला दरअसल आमजन के जीवन पर सीधा हमला है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से सुप्रीम कोर्ट में अरावली संरक्षण के पक्ष में प्रभावी पैरवी करने की मांग भी की। मनरेगा के मुद्दे पर बोलते हुए रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि रोजगार गारंटी कानून को कमजोर करना देश के करोड़ों श्रमिक परिवारों के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुधार के नाम पर मनरेगा को खत्म करने की साजिश रची जा रही है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को योजनाओं से हटाने की कोशिश मोदी सरकार की कुंठित मानसिकता को दर्शाती है। कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक इस फैसले के खिलाफ संघर्ष करेगी। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि अरावली की चोटियां केवल भौगोलिक संरचना नहीं हैं, बल्कि हमारी सभ्यता, आस्था और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व की आधारशिला हैं। अरावली ने सदियों से जलस्रोतों की रक्षा की है और रेगिस्तान के विस्तार को रोका है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष किसी एक दिन या एक संगठन का नहीं, बल्कि सत्ता के अहंकार और प्रकृति के शोषण के खिलाफ जन-चेतना का आंदोलन है, जो तब तक जारी रहेगा जब तक अरावली की हर चोटी सुरक्षित नहीं हो जाती। मनरेगा पर नए प्रावधानों को लेकर राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्यों पर 40 प्रतिशत बजट वहन करने का दबाव डालना गरीब राज्यों के लिए असंभव है। जिन राज्यों में गरीबी अधिक है, उनके पास पहले से ही सीमित संसाधन हैं। ऐसे में यह कदम सुनियोजित तरीके से मनरेगा को खत्म करने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है, जो मोदी सरकार की संकीर्ण सोच को उजागर करता है। जन-जागरण रैली और सभा में प्रमुख रूप से उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, प्रीति शक्तावत, पीसीसी उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाली, पीसीसी महासचिव लाल सिंह झाला, पंकज कुमार शर्मा, गोपाल शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. मांगी लाल गरासिया, जगदीश राज श्रीमाली, पीसीसी सचिव दिनेश श्रीमाली, विधायक प्रत्याशी विवेक कटारा, पूर्व विधायक सज्जन कटारा, पीसीसी सदस्य राम लाल गायरी, प्रो. दरियाव सिंह चुंडावत, गोपाल सिंह चौहान, दलपत सिंह चुंडावत, मोहम्मद अय्यूब, जिला संगठन महासचिव गजेंद्र कोठारी, पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मी नारायण पंड्या, प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित, शहर प्रवक्ता पंकज पालीवाल, शिवशंकर मेनारिया, डॉ. कौशल नागदा, राजीव सुहालका, खूबी लाल मेनारिया, दिनेश दवे, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर बंसी लाल मीणा, श्याम लाल चौधरी, मथुरेश नागदा, ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह चदाणा, अजय सिंह, सोमेश्वर मीणा, पूर्व सरपंच रूप लाल सालवी, महिला कांग्रेस की नजमा मेवाफरोश, सीमा पंचोली, डॉ. दिव्यानी कटारा, अमर सिंह झाला, हरि सिंह झाला, झाड़ोल प्रधान राधा देवी परमार, पूर्व प्रधान सदन देवी, ओम प्रकाश गमेती, जय प्रकाश निमावत, पूर्व पार्षद शंकर चंदेल, हिदायतुल्ला, लक्ष्मी लाल सोनी, दिनेश औदिच्य, राजेश मेनारिया, मोहम्मद रईस खान, फारुख कुरैशी, गोपाल सरपटा, रतन लाल पूर्बिया, दिनेश पानेरी, चंद्रवीर गुर्जर, शिव लाल गुर्जर, सचिन गुर्जर, माधव लाल अहीर, मोहम्मद शाहिद, सुरेश सोलंकी, मयंक खमेसरा, तीरथ सिंह खरेलिया, विष्णु पटेल, गणेश लाल शर्मा, कमल चौधरी, जीतेश खटीक, रवि भावा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

108-104 एम्बुलेंस सेवाओं पर संकट, सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार का ऐलान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान में आमजन की जीवन रेखा मानी जाने वाली 108 और 104 एम्बुलेंस सेवाएं रविवार देर रात से प्रभावित होने जा रही हैं। नए टेंडर की शर्तों को लेकर नाराज एम्बुलेंस कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार का ऐलान कर दिया है, जिससे प्रदेशभर में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं पर संकट खड़ा हो गया है। राजस्थान एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि नए टेंडर में कर्मचारियों के वेतन में कटौती जैसी स्थिति बन रही है और कार्य समय 8 घंटे के बजाय 12 घंटे निर्धारित किया गया है, जिसे कर्मचारी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। यूनियन की ओर से स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अधिकारियों से कई दौर की बातचीत की गई, लेकिन मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। इसके चलते यूनियन ने 28 दिसंबर की रात 12 बजे से प्रदेशभर में सेवाएं बंद करने का निर्णय लिया है। प्रदेश में वर्तमान में 108 सेवा के तहत 1094 एम्बुलेंस और 104 सेवा के अंतर्गत करीब 600 वाहन संचालित हो रहे हैं। इस प्रकार कुल 1600 से अधिक एम्बुलेंस राजस्थान के शहरी और ग्रामीण इलाकों में निःशुल्क आपात सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इन सेवाओं का संचालन वर्तमान में मॉडर्न इमरजेंसी सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। इन एम्बुलेंस सेवाओं से करीब तीन हजार कर्मचारी जुड़े हुए हैं, जिनमें ड्राइवर और अन्य सहयोगी स्टाफ शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 12 हजार 730 रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में अपर्याप्त है। यूनियन ने टेंडर में वेतन में कम से कम 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी और हर वर्ष 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि का प्रावधान शामिल करने की मांग रखी है। इसके अलावा 12 घंटे की ड्यूटी व्यवस्था को समाप्त कर 8 घंटे का कार्य समय तय करने की भी मांग की गई है। कर्मचारियों के आंदोलन से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि 108 और 104 एम्बुलेंस सेवाएं सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों और आपात स्थितियों में सबसे अहम भूमिका निभाती हैं। यदि कार्य बहिष्कार लंबा चला, तो आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मंथन-2025 का भव्य आयोजन, वर्षभर में होने वाले आयोजनों की हुई घोषणा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 दिसम्बर। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान महिला प्रकोष्ठ का वार्षिक अधिवेशन संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत के मुख्य आतिथ्य व संस्थान अध्यक्ष अशोक कोठारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर फत्तावत ने महिला प्रकोष्ठ द्वारा वर्षभर में सक्रियता से किए गए कार्यों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि आने वाला वर्ष महिला प्रकोष्ठ उदयपुर जैन समाज की नारी शक्ति को सशक्त करने में महती भूमिका अदा करेगा तथा अनुशासन, सक्रियता व समय प्रबंधन की नई मिसाल प्रस्तुत करेगा। कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष अशोक कोठारी व महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने भी महिला शक्ति को मार्ग दर्शन प्रदान किया। महिला प्रकोष्ठ की महामंत्री प्रिया झगड़ावत ने बताया कि मंथन-2025 के आयोजन में वर्ष भर में संस्थान द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा कोषाध्यक्ष कल्पना वस्तावत ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अलविदा 2025, सुस्वागतम 2026 में संस्थान महिला प्रकोष्ठ द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेण्डर घोषित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से 22 जनवरी को देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, 13 फरवरी को फागोत्सव 2026, 8 मार्च को योगा, जुम्बा एवं महिला सम्मान, 26 मार्च को सांस्कृतिक संध्या, 21 जून को प्रतिभा सम्मान, 17-18 जुलाई को दो दिवसीय तीर्थ यात्रा, 14 अगस्त को सावन उत्सव, 27 सितम्बर को सामूहिक क्षमायाचना, 11, 12 व 13 अक्टूबर को झंकार 2026 गरबा, बॉक्स क्रिकेट, कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला, केरियर कॉउसङ्क्षलग सेशन व दिसम्बर 2026 को मंथन कार्यक्रम का आयोजन होगा। मंथन आयोजन में कई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। जिसमें विजेताओं को ऋतुमारू, सोनल सिंघवी, सुमन डामर, सुमन मोगरा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। शब्दों द्वारा स्वागत महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा ऋतु मारू द्वारा किया गया तथा आभार कोषाध्यक्ष कल्पना वस्तावत द्वारा ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री प्रिया झगड़ावत द्वारा किया गया। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ की सभी सदस्याएं मौजूद रही।

किसानों को नहीं मिल रही सिंचाई के लिए बिजली सरकार बदली पर किसानों की समस्या नहीं बदली-बिजौला

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। भारतीय किसान संघ जिला प्रवक्ता लल्लूराम बिजौला ने बताया सभी गांवों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। सरकार बदली पर किसानों की समस्या नहीं बदली। बिजौला ने बताया कि सरकार कह रही है आठ घंटे बिजली दे रहे हैं और बिजली विभाग कह रहा है किसानों को सिंचाई के लिए छह घंटे बिजली उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन धरातल पर दिन में सैकड़ों बार घंटों तक कटौती से किसानों को 4 घंटे भी सही बिजली नहीं मिल रही है। यह समस्या पिछले तीन-चार साल से चल रही है लेकिन सरकार एवं अधिकारी इसका स्थायी समाधान नहीं निकाल रहे हैं। किसान सारा दिन बिजली के लिए सुबह से शाम तक खेतों में बैठा रहता हुआ बस इंतजार ही कर रहा है। कभी-कभी तो विभाग वाले रात में अपनी मर्जी से बिजली दे देते हैं। इस कड़ाके की ठंड में किसान रात को खेतों में पानी पिलाने कैसे जाए। पिछले तीन साल में सैकड़ों बार किसान संघ ने सभी उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर सहित सभी नेताओं के माध्यम से ज्ञापन एवं धरना देकर सरकार तक किसानों को दिन में 8 घंटे सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई है, लेकिन किसानों की सुध कोई नहीं ले रहा है। सभी पार्टियों के नेताओं को किसानों की याद सिर्फ चुनावों के समय ही आती है, लेकिन संकट के समय कोई साथ नहीं दे रहा है। भारतीय किसान संघ का जिला कलेक्टर साहब एवं सरकार से आग्रह है कि जिले में किसानों को दिन में बिना कटौती बिजली उपलब्ध कराने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को पाबंद किया जाए। अन्यथा किसानों को मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा।

झूलेलाल प्रीमियर लीग-4 का रोमांच चरम पर, क्रिकेट के साथ सामाजिक एकता का भव्य संगम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सिन्धी सेंट्रल युवा सेवा समिति के तत्वावधान में शिकारवाड़ी खेल मैदान पर आयोजित झूलेलाल प्रीमियर लीग (जेपीएल-4) अपने चौथे संस्करण में खेल, उत्साह और सामाजिक समरसता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। टूर्नामेंट के तीसरे दिन मैदान पर क्रिकेट का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला, जहां बल्लेबाजों की विस्फोटक पारियों और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दर्शकों को पूरे दिन बांधे रखा। मैचों के दौरान चौकों-छक्कों की बरसात और हर ओवर में बदलते समीकरणों ने प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना दिया। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की तालियों और नारों से माहौल पूरी तरह खेलमय हो उठा। समिति के अध्यक्ष विजय आहूजा ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को खेले गए सभी मुकाबले समाजसेवा और खेल प्रेम के प्रेरणास्रोत रहे स्वर्गीय रूप कुमार खुराना की पुण्य स्मृति को समर्पित किए गए। इस अवसर पर खेले गए मुकाबलों में न्यूज़ 24, एवरा फाइन एवं पृथ्वीराज मोर्य की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैचों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। शाम के मुकाबलों के दौरान आयोजन की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतेहसिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ स्वर्गीय रूप कुमार खुराना के परिजन भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अतिथियों का समिति द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। समिति के महासचिव मुकेश खिलवानी ने बताया कि इस अवसर पर उदयपुर के सिन्धी समाज की विभिन्न पंचायतों एवं युवा संगठनों को समाजसेवा, युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उपरना ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस भव्य आयोजन में सिन्धी समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें प्रमुख रूप से समाज अध्यक्ष प्रताप राय चुग, हरीश चावला, मनोज कटारिया, प्रताप कारड़ा, किशोर पाहुजा, राजेश खत्री, जितेन्द्र कालरा, चन्दप्रकाश मंगवानी, मनीष डेमला, मुकेश गखरेजा, राजेश तलदार, पवन आहूजा, पुष्पराज साहित्य, भावेश तलदार, अमित चुग, हरीश भाटिया, अनिल नेभनानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल रहे। झूलेलाल प्रीमियर लीग-4 केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सिन्धी समाज की युवा ऊर्जा, खेल भावना और सामाजिक एकजुटता का उत्सव बन चुकी है। पूरे दिन चला यह आयोजन उत्साह, अनुशासन और सौहार्द का जीवंत उदाहरण बना, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि खेल समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।